15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन।

(दिनांकः 25 जनवरी, 2025)

जय हिन्द!

भारत के निर्वाचन आयोग के 76वें स्थापना दिवस तथा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मैं सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

हमारे लोकतंत्र की विशालता और विविधता हमारे लिए गर्व की बात है। हमारे लोकतंत्र की गौरवशाली यात्रा में निर्वाचन आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दुनिया के सबसे विशाल और जीवंत लोकतंत्र की विश्व–पटल पर प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए मैं उत्तराखण्ड के साथ ही देश के सभी मतदाताओं को बधाई देता हूँ।

भारतीय संविधान ने भारत में एक लोकतंत्रात्मक सरकार की स्थापना की है। ऐसी सरकार जनता के प्रतिनिधियों द्वारा संचालित होती है, जिनका निर्वाचन जनता द्वारा किया जाता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में इस निर्वाचन कार्य के संचालन के लिए 25 जनवरी, 1950 को संवैधानिक संस्था के रूप में भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना की गयी।

अपनी स्थापना के प्रारम्भ से ही भारत निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, संसद के दोनों सदनों एवं राज्यों के विधान मण्डलों के लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पादित कराता रहा है।

आज 25 जनवरी, 2025 को संपूर्ण भारत में 15वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। राष्ट्र चुनाव प्रक्रिया को अधिक जीवंत तथा सहभागी बनाने की कोशिशों के लिए हम सभी निर्वाचन आयोग का आभार व्यक्त करते हैं।

मुझे अवगत कराया गया है कि इस वर्ष भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ‘‘वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम’’ "Nothing Like Voting, I Vote for Sure" Theme पर देश एवं प्रदेश में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

सचिव निर्वाचन, उत्तराखण्ड शासन द्वारा अवगत कराया गया है कि राज्य के सभी वर्गों को निर्वाचन साक्षरता प्रदान करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे है। भावी एवं युवा मतदाताओं को आकर्षित करने हेतु स्कूल एवं कॉलेजों में Electoral Literacy Club (ELC) एवं कैम्पस एम्बेसेडर के माध्यम से पंजीकरण एवं मतदान हेतु जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

आयोग द्वारा बूथ स्तर पर चुनाव पाठशालाएं आयोजित की जा रही है। महिलाओं के लिए विशेष महिला चौपाल, दिव्यांग वर्ग, वंचित वर्ग, ट्रांस्जेन्डर एवं विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGs) के लिए विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किये जा रहे है। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में युवा मतदाताओं ने स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराया है। युवा मतदाता राष्ट्र का भविष्य हैं, मैं निर्वाचन में शत–प्रतिशत नैतिक भागीदारी हेतु उनका आहवान करता हूँ।

साथियों,

शान्ति एवं सद्भाव के लिए सदियों से उत्तराखण्ड का अपना इतिहास रहा है। यही कारण है कि राज्य गठन के पश्चात उत्तराखण्ड में समय–समय पर सम्पन्न हुए विधानसभा, लोकसभा सहित सभी प्रकार के निर्वाचन बिना हिंसा, बूथ कैप्चरिंग के स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से सम्पादित हुए हैं, जो हमारे लिए गर्व की बात है। मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी उत्तराखण्ड राज्य की इस गरिमा को बनाए रखने में राज्य की जनता, मतदाता, युवा वर्ग, राजनैतिक दल, जन–प्रतिनिधि तथा मीडिया अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

राज्य ने विगत लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 में शान्तिपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्वाचन संचालित कर देश के सामने उत्कृष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय–समय पर किए जा रहे सुधारों के अन्तर्गत दिव्यांगों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए घर पर ही मतदान सुविधा उपलब्ध कराने की पहल सराहनीय है।

मुझे बताया गया है कि उत्तराखण्ड राज्य में 100 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाले लगभग 1,000 मतदाता हैं मैं इनकी लम्बी आयु की कामना के साथ निर्वाचन में सतत भागीदारी हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

EVM एवं VVPAT निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रबंधन में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रत्येक मतदाता VVPAT के माध्यम से उसके द्वारा दिए गए मत की विश्वसनीयता की जांच कर सकता है। लोकतंत्र में निष्पक्ष निर्वाचनों हेतु मतदाताओं का भरोसा कायम रखने एवं उसे मजबूत करने में इस प्रकिया की बड़ी भूमिका है। इसका प्रचार–प्रसार आम जन तक किया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

राज्य की निर्वाचन मशीनरी द्वारा किए जा रहे उपरोक्त समस्त प्रयासों को आम मतदाता एवं नागरिकों के मध्य प्रभावी रूप से पहुँचाने का काम सोशल मीडिया, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, विभिन्न विभागों तथा

सिविल सोसायटी संस्थाओं इत्यादि द्वारा किया जा रहा है, जिसके लिए वह बधाई के पात्र हैं। मेरा सभी माध्यमों से संबंधित पात्र व्यक्तियों से अनुरोध है कि शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण, मतदान एवं नैतिक निर्वाचन व्यवहार को जन–जन तक पहुँचाने का पुनीत कार्य पूर्ण निष्ठा एवं निष्पक्षता से करें।

मुझे अवगत कराया गया है कि उत्तराखण्ड राज्य में 100 प्रतिशत मतदाताओं को फोटो–पहचान पत्र वितरित किए गए। यह फोटो पहचान पत्र निःशुल्क घर–घर उपलब्ध कराए गए हैं। इसमें बी0एल0ओ0 द्वारा अथक एवं अनवरत योगदान दिया गया है तथा इनमें अधिकतर बी0एल0ओ0 महिलाएं हैं। राज्य में 101 बूथ ऐसे थे जिन्हें केवल महिलाओं द्वारा संचालित किया गया। यह राज्य की मातृशक्ति की सक्रियता, योग्यता एवं जीवटता को दर्शाता है।

उत्तराखण्ड निर्वाचन विभाग प्रत्येक मतदाता को मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए प्रत्येक बूथ चाहे उसमें कम मतदाता हो अथवा बहुत दुरूह क्षेत्र में स्थित हो, मतदान की व्यवस्था की जाती है।

चमोली जनपद के 'डुमक' मतदेय स्थल में कुल 253 पंजीकृत मतदाता है जिनके लिए पोलिंग पार्टी द्वारा 20 किलो मीटर से अधिक की पैदल दूरी तय करने के बाद

मतदान की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाती हैं। निर्वाचन मशीनरी का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है।

साथियों,

भारत के आम चुनाव कराने में लोकतंत्र से जुड़ी, विश्व की सबसे बड़ी logistics exercise की जाती है। अनेक जटिलताओं और चुनौतियों के बीच हमारे निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न किया जाता है। इसके लिए निर्वाचन आयोग के तहत कार्यरत टीम के प्रत्येक सदस्य की भूमिका सराहनीय है।

मतदाता सूची को update करने तथा उसमें संशोधन करने, मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने और मतदान केन्द्रों तक पहुंचकर मतदान के अधिकार का प्रयोग करने, आदि सभी पहलुओं पर निर्वाचन आयोग पूरा ध्यान दे रहा है। 'कोई भी मतदाता छूटने न पाए', इसके लिए निर्वाचन आयोग सदैव प्रयासरत रहता है।

जितने बड़े पैमाने पर और जिस सफलता के साथ हमारे देश की चुनाव प्रक्रिया में आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है वह विश्व के सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए एक मिसाल है। मुझे विश्वास है कि निर्वाचन आयोग द्वारा, टेक्नोलॉजी का प्रभावी उपयोग, चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी सभी गतिविधियों में, यथासंभव और अधिक बढ़ाया जाएगा।

देश के सभी हिस्सों में रहने वाले मतदाता, सुविधा के साथ मतदान कर पाएं, इसकी व्यवस्था कर पाना आसान नहीं है। हर प्रकार की चुनौतियों के बावजूद निर्वाचन आयोग की टीम इस कठिन काम को अंजाम देती है। यह हमारे लोकतंत्र की बहुत बड़ी उपलब्धि है।

हमारे युवा, हमारे लोकतंत्र के भविष्य के कर्णधार हैं। आज यहां उपस्थित युवा मतदाताओं ने Elector Photo Identity Card प्राप्त करके देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में निर्णायक भागीदार होने का अधिकार प्राप्त किया है। इसके लिए मैं आप सभी युवाओं को बधाई देता हूँ। इस अधिकार को प्राप्त करने के साथ आप सभी युवाओं के कर्तव्य भी बढ़ गए हैं।

देश के आप जैसे सभी युवा मतदाता हमारी लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने के लिए वचनबद्ध हैं। हर प्रकार के भेद–भाव और संकीर्णता से ऊपर उठकर, निर्भय होकर, नैतिकता के साथ सभी चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए भी आपने शपथ ली है।

अब आप युवा वोटर्स को दुनिया की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी में भागीदारी की एक अहम जिम्मेदारी निभानी है।

आप सभी ऐसे समय में वोटर बने हैं, जब भारत अमृतकाल के दौर से गुजर रहा है। कल 26 जनवरी को देश अपना 76वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। 2047 तक आने वाले साल आपके लिए भी और भारत के लिए भी दोनों के लिए ही महत्वपूर्ण हैं।

आज जब देश 2047 तक विकसित भारत बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है तो आपका वोट ये तय करेगा कि भारत की दिशा क्या होगी। 2047 तक आने वाले सालों में आप पर विकसित भारत के निर्माण की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

आप, यहां उपस्थित युवा मतदाता, देश के उन करोड़ों युवाओं के प्रतिनिधि हैं जो वर्ष 2047 के स्वर्णिम भारत के निर्माण में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएंगे, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

अन्त में, मैं सभी प्रदेशवासियों से विनम्र अपील करता हूँ कि आने वाले निर्वाचनों में अनिवार्यतः अपने मत का प्रयोग करें तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

हमारे महान लोकतंत्र की सेवा में किए जा रहे निर्वाचन आयोग के प्रयासों की सफलता की मंगलकामना के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

जय हिन्द!